Postal circle (4) letters to be delivered in the neighbouring circles (5) letters posted in any place to be delivered anywhere in India;

(b) if so, the details of norms thereof; and

(c) whether a letter posted in Bomaby, Delhi, Calcutta, Madras must be delivered in four days anywhere in India on leaving the day of posting of a letter;

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI SUKH RAM): (a) and (b) Yes, Sir. Norms to assess the efficiency of mail services with a view to take remedial measures have been laid down which are as follows:

(i) PIN-coded letters posted in Metro cities namely Delhi, Bombay, Calcutta, Madras, Hyderabad, and Bangalore and meant for delivery in another Metro city are to be delivered within 48 hours after the day of posting.

(ii) PIN-Coded letters between Delhi and State Capitals other than the Metro cities mentioned at (i) above are to be delivered within 48 hours to 72 hours after the pay of posting.

(iii) Letters between cities connected by air flights, other than those mentioned at (i) and (ii) above are to be delivered within 72 hours after the day of posting.

(iv) letters within a State are to be delivered within 48-72 hours after the day of posting.

(v) Letters within a District are to be delivered within 48 hours after the day of posting.

(vi) Letters between the adjacent districts of neighbouring Circles are to be delivered within 48 hours after the day of posting.

These broad norms are adhered to only when mail carrying trains, planes, buses and other transport run to their published schedule.

(c) Yes, Sir, provided the place is well connected by Air, Rail or Road.

राष्ट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव पर खर्च की गई धनराशि

2459. **श्री रामदेव भंडारी:** क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 1994 के दौरान तथा 1995 में अब तक राष्ट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव पर केन्द्रीय सरकार द्वारा व्यय की गई राशि का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) प्राकृतिक आपदाओं और वाहनों के भारी आवागमन के कारण राष्ट्रीय राजमार्गों एवं पुलों को प्रतिवर्ष औसतन कितना नुकसान होता है तथा इसकी मरम्मत पर व्यय होने वाली अनुमानित राशि कितनी है; और

(ग) विगत तीन वर्षों के दौरान इस प्रकार के व्यय को पूरा करने के लिए बिहार राज्य को कितनी राशि मुहैया की गई है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री एम० राजशेखर मूर्ति): (क) राष्ट्रीय-राजमार्गों के विकास हेतु निधियां वित्त-वर्ष वार जारी की जाती है न कि कलैन्डर वर्ष-वार। 1994-95 और 1995-96 (आज तक) के दौरान जारी की गई निधियों के ब्यौरे विवरण में दिए गए हैं (नीचे देखिए)।

(ख) प्राकृतिक आपदाओं और वाहनों के अत्यधिक आवागमन से राष्ट्रीय राजमार्गों तथा पुलों को प्रतिवर्ष होने वाले औसतन नुकसान के बारे में बता पाना संभव नहीं है। 1994-95 में राष्ट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव और मरम्मत के लिए 246.90 करोड़ रु० जारी किए गए।

(ग) राष्ट्रीय राजमार्गों के रख-रखाव और उनकी मरम्मत के लिए वर्ष 1992-93, 1993-94 और 1994-95 के दौरान बिहार राज्य को 3821.64 लाख रु० की राशि जारी की गई।

विवरण

(लाख रु०)

सं०	राज्य/सं०शा० प्रदेश	1994-95 आबंटन	1995-96 (6.12.95) आबंटन
1.	आंध्र प्रदेश	2146.64	2130.895
2.	अरुणाचल प्रदेश	67.24	अनुपलब्ध
3.	असम	1678.23	1008.20
4.	बिहार	1472.53	1310.953
5.	चन्डीगढ़	21.00	22.00
6.	दिल्ली	143.25	116.55
7.	गोवा	385.65	153.03
8.	गुजरात	1316.64	1354.20
9.	हरियाणा	560.43	538.70
10.	हिमाचल प्रदेश	894.80.	760.41
11.	जम्मू एवं कश्मीर	75.60	28.11
12.	कर्नाटक	1506.78	1265.40
13.	केरल	924.10	628.58
14.	मध्य प्रदेश	1696.01	1459.42
15.	महाराष्ट्र	2150.45	1965.83
16.	मणिपुर	115.20	123.64
17.	मेघालय	270.06	307.54
18.	नागालैंड	4.00	6.00
19.	उड़ीसा	1186.50	1094.834
20.	पांडिचेरी	14.73	18.38
21.	पंजाब	736.97	593.720
22.	राजस्थान	1810.83	1375.95
23.	तमिलनाडु	1702.86	1322.32
24.	उत्तर प्रदेश	2065.48	1932.94
25.	पश्चिम बंगाल	1744.02	1241.10